पूर्वानुभव – सुनो और बताओ :

* मैं

मेरा नाम .... है ।

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

१. पहला दिन

बड़बड़ गीत – सुनो और दोहराओ :

टन-टन-टन घंटी टंकारे,
पाठशाला में चलो पुकारे ।
गली, मुहल्ला हुआ पुराना,
नये ज्ञान के दीप जलाना ।
मिलजुलकर सब पढ़ने आओ,
इक दूजे से हाथ मिलाओ ।

नई-नई यह पुस्तक पाओ,
इसकी मीठी कविता गाओ ।
सखी हमारी पुस्तक रानी,
रोज सुनाए हमें कहानी ।
बीत गया दिन हो गई शाम,
बज गई घंटी अब आराम ।

21E1QI

बालगीत – सुनो, गाओ और बताओ :

२. वर्षा

बरसा पानी झम-झम-झम,
खेलें आओ मिलकर हम ।
मेघ गरजता घम-घम-घम,
मोर नाचता छम-छम-छम ।

मेंढक बोला टर-टर-टर,
लगता नहीं मुझे अब डर ।
भर गए सारे ताल-तलैया,
नाच रहे मिल ता-ता-थैया ।

कहानी – सुनो, समझो और दोहराओ :

चार वर्ष पहले की बात है । रोहन, गुरमीत, मारिया, हमीद गाँव के बाहर बैठे थे । एकाएक आसमान में बादल गड़गड़ाने लगे। बहुत तेज वर्षा शुरू हो गई । चारों ओर पानी भर गया। वर्षा थमने के बाद मारिया और रोहन कागज की नावों को पानी में छोड़ने लगे । इतने में जोर की बिजली कड़की ।

हमीद फिसलकर गिर गया । गुरमीत चिल्ला पड़ा । चरवाहा डरकर पेड़ से सटकर खड़ा हो गया । उसी रास्ते से छाता लिए दीनानाथ जी सोहन के साथ जा रहे थे ।उन्होंने चरवाहे को समझाया कि बरसात में पेड़ के नीचे नहीं खड़े होना चाहिए। बिजली गिरने का डर रहता है ।

दीनानाथ जी का कहना मानकर वह पेड़ के नीचे से हट गया । तभी उसी पेड़ पर कड़कड़ाते हुए बिजली गिरी। पेड़ टूटकर गिर गया। बड़ों का कहना मानने के कारण चरवाहे की जान बच गई । चरवाहे ने दीनानाथ जी को धन्यवाद कहा। सभी अपने-अपने घर चले गए ।

कविता – सुनो और गाओ :

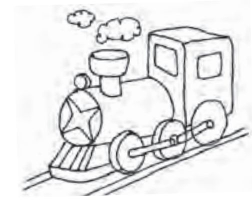

३. रेलगाड़ी

– सोनी विद्याशंकर सिंह

आओ हम सब खेलें खेल,
मिलकर सभी बनेंगे रेल ।
करती जाती फुक-फुक रेल,
आती देखो छुक-छुक रेल ।
स्टेशन आया रुक, रुक, रुक,
आओ हम सब खाएँ कुछ ।
जो जी चाहे प्रेम से खाओ,
लेकिन पहले पैसे लाओ ।
बज गई सीटी चलेगी रेल,
बैठो जल्दी, बढ़ेगी रेल ।
दूर अभी तो जाना है,
बाट जोहते नाना हैं ।
सरपट दौड़ लगाती रेल,
छुक-छुक करती जाती रेल ।

अनुरेखन – वर्ण अवयवों पर पेंसिल फिराओ :

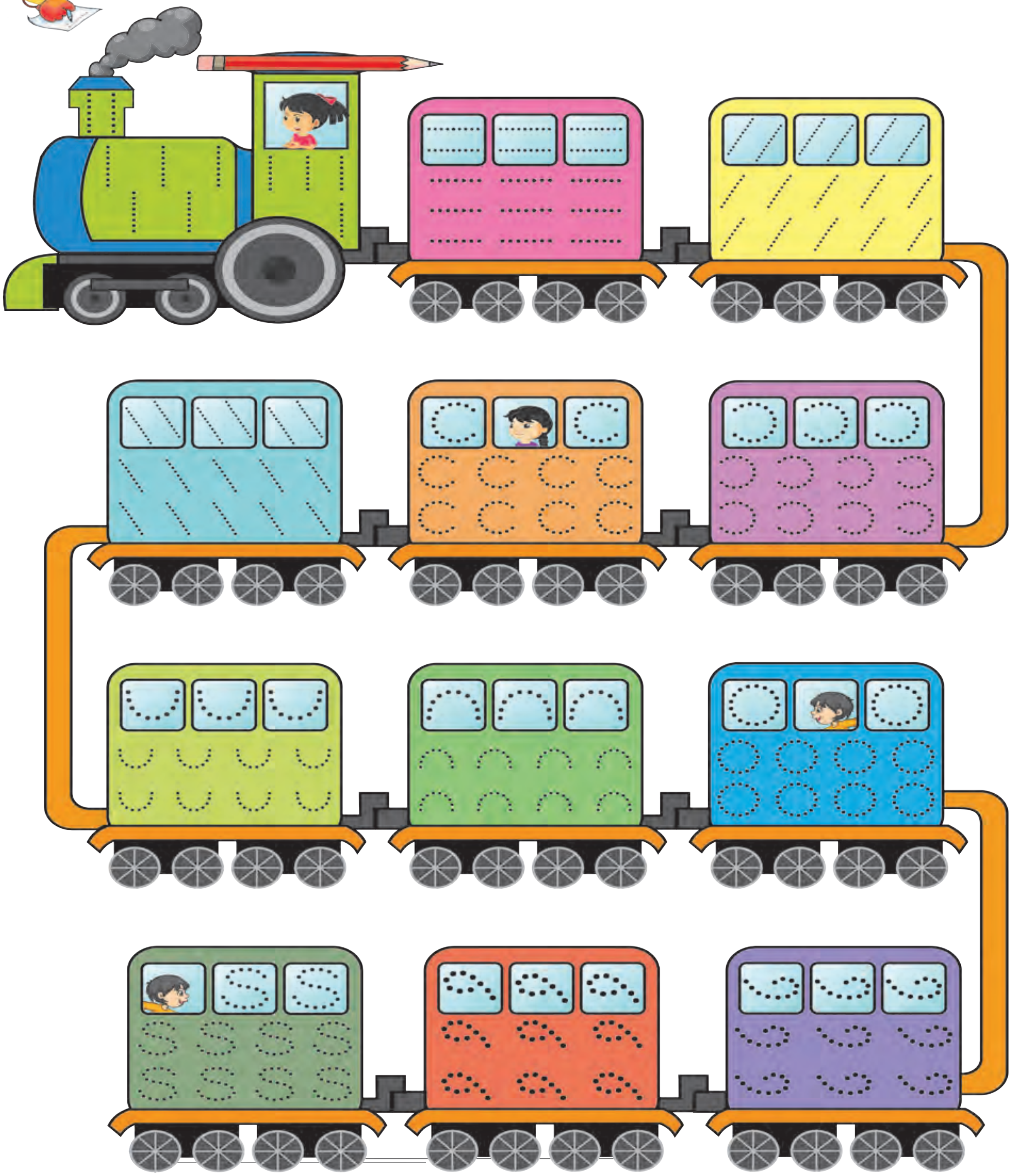

इसी प्रकार अन्य चित्र बनाओ ।

कोई कविता/ कहानी सुनाओ ।

29DSJN

४. गाना-बजाना

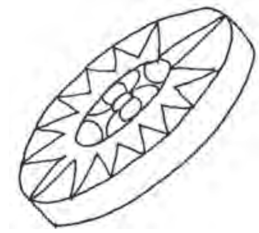

चित्रवाचन – देखो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

मनु कोमल गजरा झाग भरत वैभव नमाज वन अशोक तुअर आरती कौआ
मुर्गा मोर बाघ लोमड़ी कबूतर डफली पुंगी सीटी शहनाई ढोलक ड्रम घुँघरू

खुशी और आनंद गाना गा रहे हैं ।

तोता सीटी बजाता है ।
हाथी ने ड्रम पकड़ा है ।
मोर नाच रहा है ।
बाघ ढोलक बजा रहा है ।
लोमड़ी हारमोनियम पर गा रही है ।
मुर्गे ने चोंच में शहनाई पकड़ी है ।
बंदर तबला बजा रहा है ।
खरगोश डफली बजाता है ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

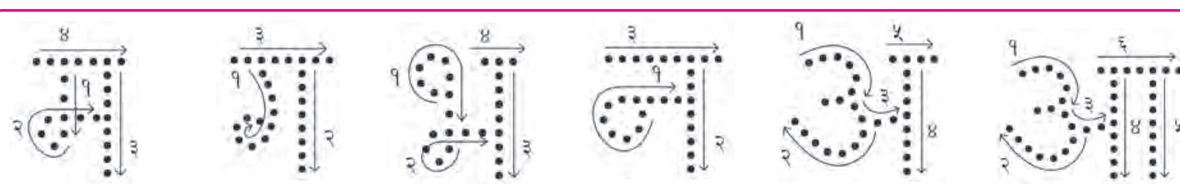

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो : आ ा

म

ग

भ

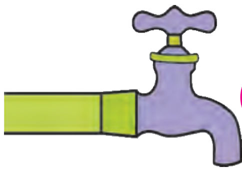
न

अ

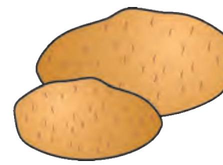
आ

वाचन – पढ़ो :

आ नभ मन भन आम अमन मगन गमन आगम
नाग मान भान भाग आभा मामा नाना आना गाना
गामा आ । मगन गा । गगन भाग ।
नमन भाग । अमन भाग आ । आभा गाना गा ।

लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

मग 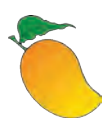 ......

मगर ......

सांभर 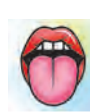 ......

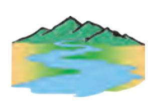 ऐनक ......

तुअर महुअर ......

टुआल ......

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : आ ा

माना गाना भागा आभा मामा

29HNLB

५. हरियाली

चित्रवाचन – देखो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

जलेबी भोजन चपाती पाँच तकिया शतरंज ललिता अनिल इकाई बाइबिल ईशा रसोई बगीचा तितली मछली फिसलपट्‌टी पानी गेंदा पुल गुलाब मोगरा बुलबुल कूड़ादान

खुशी और आनंद बगीचे में खेलने के लिए गए हैं ।

आकाश नीला है ।
यहाँ रंग-बिरंगे फूल खिले हैं ।
फूलों पर भँवरा और तितलियाँ हैं ।
तालाब में बगुला और मछलियाँ हैं ।
लोग घूम रहे हैं ।
नीम के पेड़ पर पक्षी हैं ।
बच्चे वहाँ झूला झूल रहे हैं ।
कूड़ेदान का उपयोग करना चाहिए ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

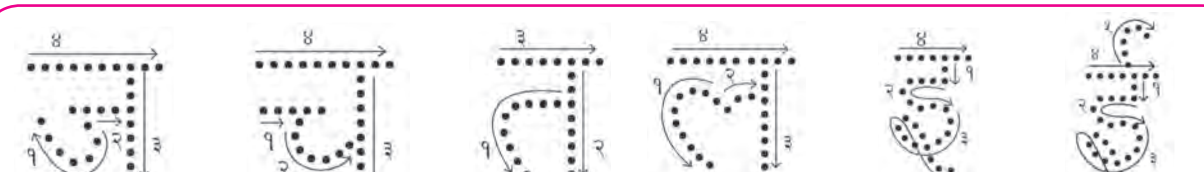

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो : इ ि ई ी

ज 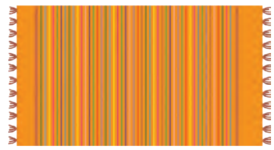 च 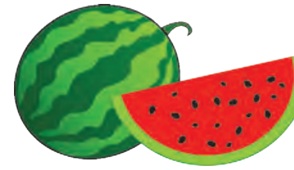 त

ल 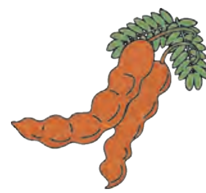 इ 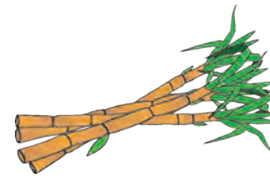 ई

वाचन– पढ़ो :

जल तन इन मई आज ताला लीला तिल चलन जागना मिताली

अनिल भजन गा। मीत गमला ला। मीनल, जतिन चल।
ललिता गई। अमन चमचम ला। आभा आग मत जला।
नीलिमा जा। जगत जल ला। अमिता आज आई।

लेखन– समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो।)

जलेबी ......

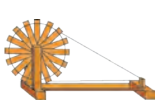 कचरा चम्मच ......

तकिया ......

पालक 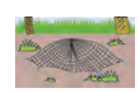 ......

कुइयाँ ......

मिठाई ......

अनुरेखन– देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : इ ि ई ी

जाई इनाम चिमनी तितली गिनती

29HJHY

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

६. बाजार

संवाद – सुनो और दोहराओ :

रमा : साहिल, **कल** कहाँ गए थे ?

साहिल : मैं, ताऊ जी, ताई जी के साथ बाजार गया था।

रमा : बाजार से क्या लाए ?

साहिल : तुम्हारे लिए चित्रकथा की पुस्तक ।

रमा : धन्यवाद ! पर मुझे क्यों नहीं ले गए ?

साहिल : माफ करना, भूल गया ।

रमा : फिर कब जाओगे ?

साहिल : अब **कल** जाऊँगा ।

रमा : तो मैं भी साथ चलूँगी ।

साहिल : ठीक है । **परसों** डॉली और आर्यन खेलने के लिए आने वाले हैं ।

रमा : अरे वाह ! और कौन-कौन आएँगे ?

साहिल : आनंद और खुशी भी आएँगे । रमा ! तुम कितने प्रश्न पूछती हो ?

कृति – समझो और बताओ :

कल	आज	कल	परसों
----	सोमवार	----	----

चित्रवाचन – देखो और बताओ :

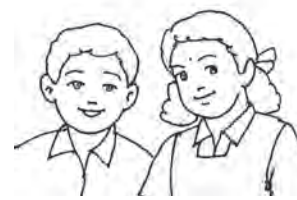

७. नूपुर–शूकुर

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

पराग पीपल षष्ठी पीयूष फरहान सौंफ गणना किरण उर्मिला माउस ऊपर लखनऊ
पेड़ गुलाब सड़क जूता दिव्यांग खिड़की छत उड़ना गौरैया पाठशाला गाय दरवाजा

खुशी और आनंद गौरव को लेकर पाठशाला जा रहे हैं ।

नूपुर और शूकुर बातें करते जा रहे हैं।
गाय घास खा रही है।
रास्ते के दोनों ओर पेड़–पौधे हैं।
डाल पर दो गौरैयाँ बैठी हैं।
पेड़ पर तोता बैठा है।
टॉमी तितली के पीछे दौड़ रहा है।
ऑटोरिक्शा के आगे साइकिल है।
स्वच्छतागृह का उपयोग करना चाहिए।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

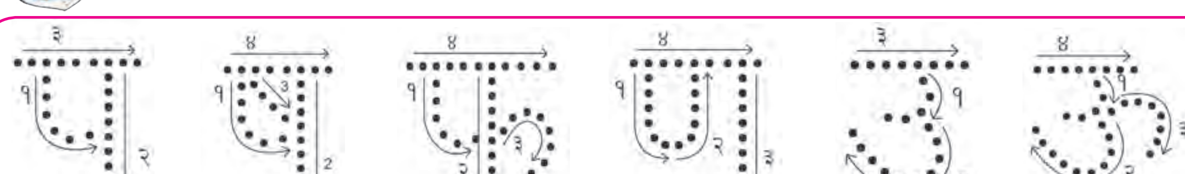

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो : उ ु ऊ ू

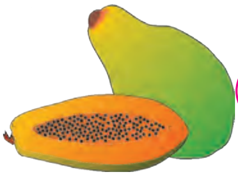 प 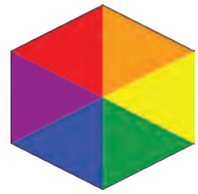 ष फ

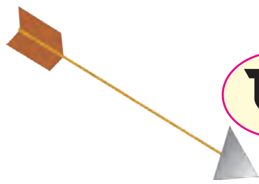 ण उ ऊ

वाचन– पढ़ो :

पल फल गण ऊन उषा मिलाप चीतल नीलिमा जामुन भूषण जुगनू

रमण फूल ला ।	भानू गीत गा ।	माई चली गई ।
मीनू आभूषण ला ।	अनूप तान लगा ।	चल–चल भाई ।
उषा जामुन ला ।	मनु चल भाग ।	मनाली फल ला ।

लेखन– समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

रुपया ......

षष्ठी ......

फसल 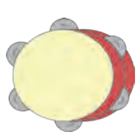 ......

श्रमण ......

चाउर ......

गऊ उबाऊ ......

अनुरेखन– देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : उ ु ऊ ू

ताऊ नीति उफान पाषाण जुगनू

2AFBR9

चित्रवाचन – देखो और बताओ :

८. कृषक

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

वरदान सावन बरगद बकरी कस्तूरी महक चित्रा चञ्चल ऋतिक उऋण
प्रकृति बुआई फसल जोताई वृक्ष कृषक बैल हल अनाज झारा बिजूका

आनंद और खुशी सैर करने खेत में गए ।

कृषक हल चलाता है ।
उसके पास बैल की एक जोड़ी है ।
लड़का पौधा लगा रहा है ।
माँ समझा रही है ।

खेत में बिजूका है ।
तालाब में बतख है ।
किसान हमारा अन्नदाता है ।
खेत में फसल लहलहाती है ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

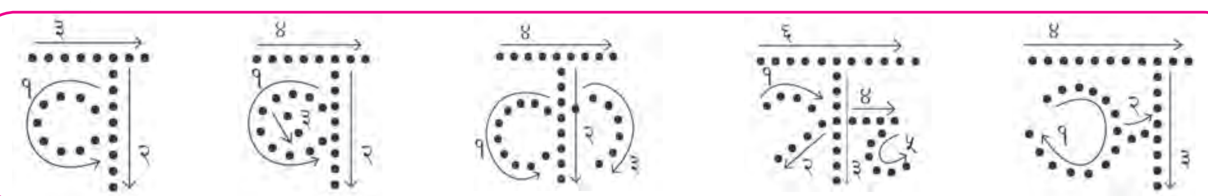

ऋ ृ

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

व

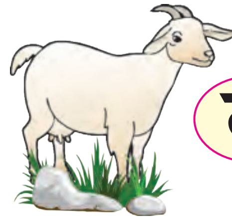 ब

क

ऋ

ञ

वाचन– पढ़ो :

कब ऋण वचन चिञा मृग बुआ मूली विनीत जुनून मृणालिनी

बबिता कमीज ला । ऋतु ताली बजा । मनीष वजन ला ।

बिजली चली गई । विमला नाव चला । कमल गाना गा ।

लतिका, विनिता आओ । पवन बाल बना । कविता ताला लगा ।

लेखन– समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

चावल ......

शरबत ......

कलश ......

महाऋषि उऋण ......

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : ऋ ृ

ऋषि कृप चिञा बकुळ मृणाल

2AP7SH

कविता – सुनो, गाओ और दोहराओ :

९. मैं गांधी बन जाऊँ

– निरंकारदेव सेवक

माँ, खादी की चादर दे-दे,
मैं गांधी बन जाऊँ ।
सब मित्रों के बीच बैठ,
फिर रघुपति राघव गाऊँ ।
निकर नहीं, धोती पहनूँगा,
खादी की चादर ओढ़ूँगा ।
घड़ी कमर में लटकाऊँगा,
सैर सबेरे कर आऊँगा ।
मैं बकरी का दूध पीऊँगा,
जूता अपना-आप सीऊँगा ।
आज्ञा तेरी मैं मानूँगा,
सेवा का प्रण मैं ठानूँगा ।
मुझे रूई की पूनी दे-दे,
चरखा खूब चलाऊँ ।
माँ, खादी की चादर दे-दे,
मैं गांधी बन जाऊँ ।

2AY3UJ

अभ्यास–१

कृति – देखो और करो :

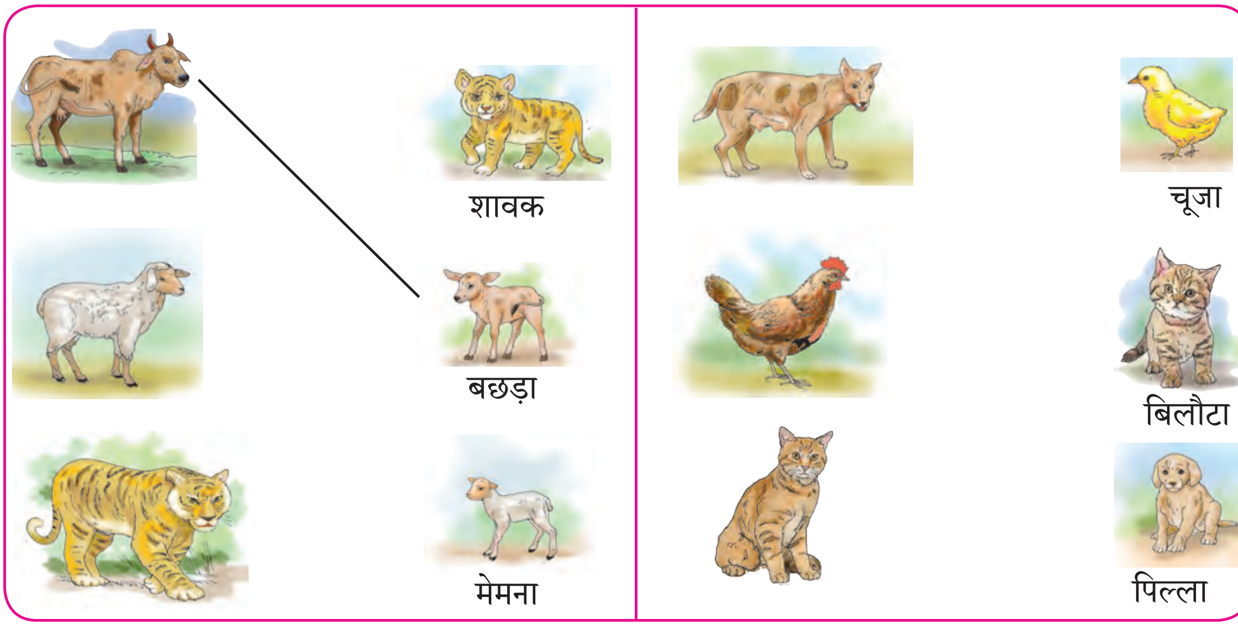

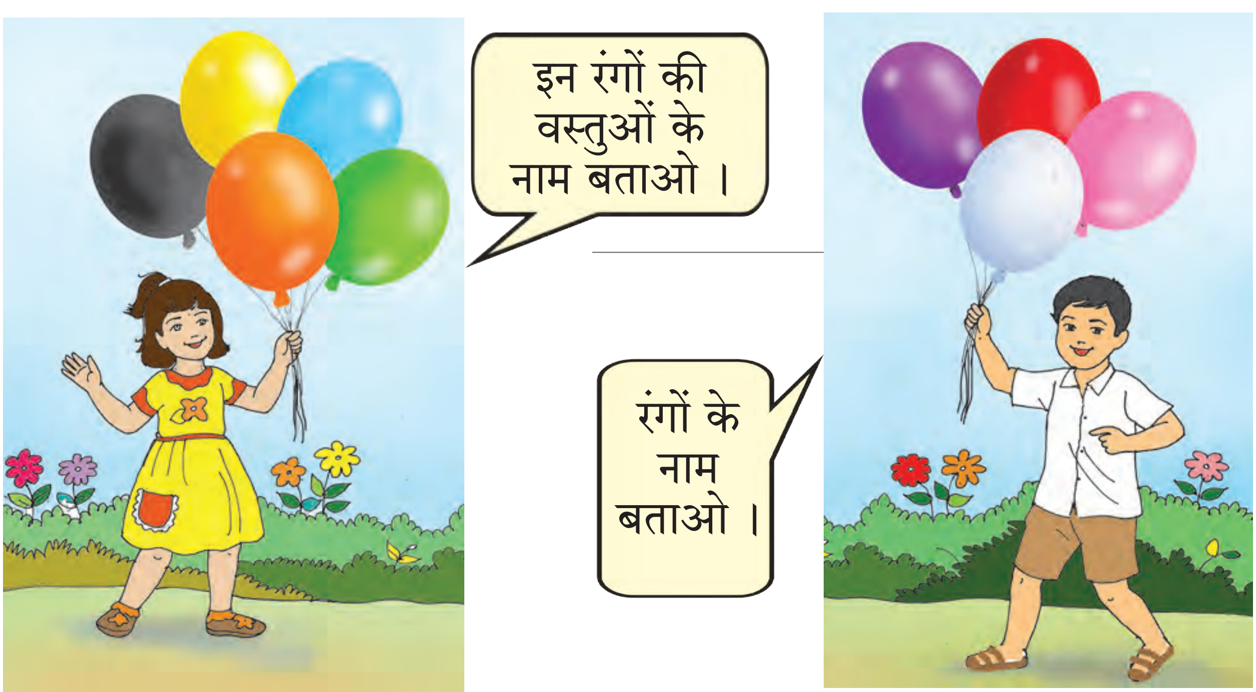

चींटी बाँबी तक कैसे जाएगी, उसे उँगली से दिखाओ :

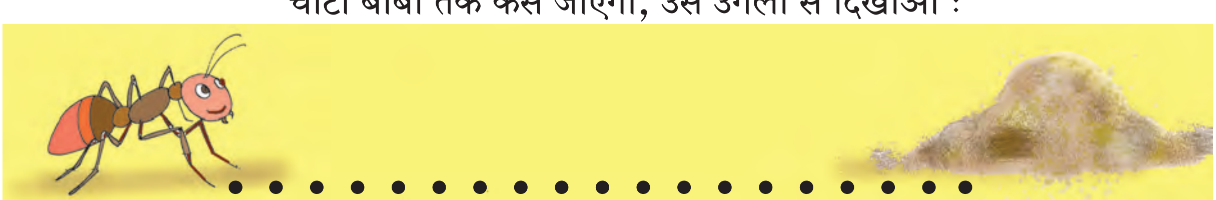

अभ्यास–२

कृति – क्या भूल गए, पहचानो और बताओ :

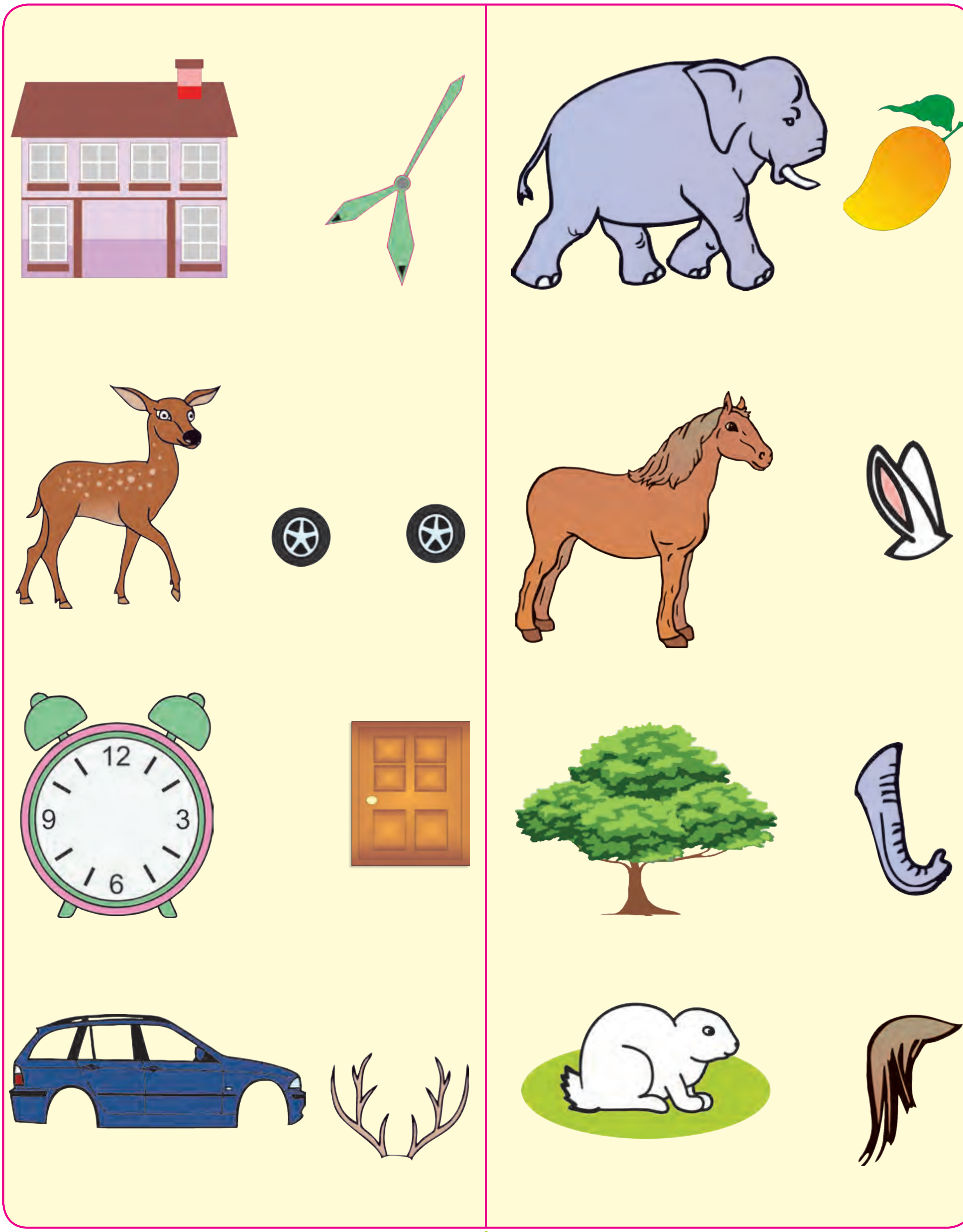

पूर्वानुभव – सुनो और बताओ :

* हँस

– *आशारानी व्होरा*

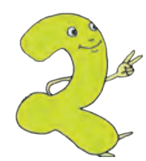

एक–दो–तीन,
आँगन से कचरा बीन ।
दो–तीन–चार,
सबसे करो प्यार ।

तीन–चार–पाँच,
साँच को नहीं आँच ।
चार–पाँच–छह,
पढ़ाई करते रह ।

पाँच–छह–सात,
खेलें मिलकर साथ ।

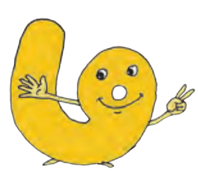

छह–सात–आठ,
एकता के ठाट ।
सात–आठ–नौ,
मन उदास क्यों ?

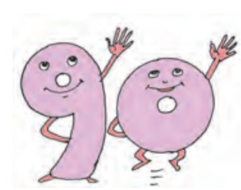

आठ–नौ–दस,
खिलखिलाकर हँस ।

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

१. वृक्ष बढ़ाओ

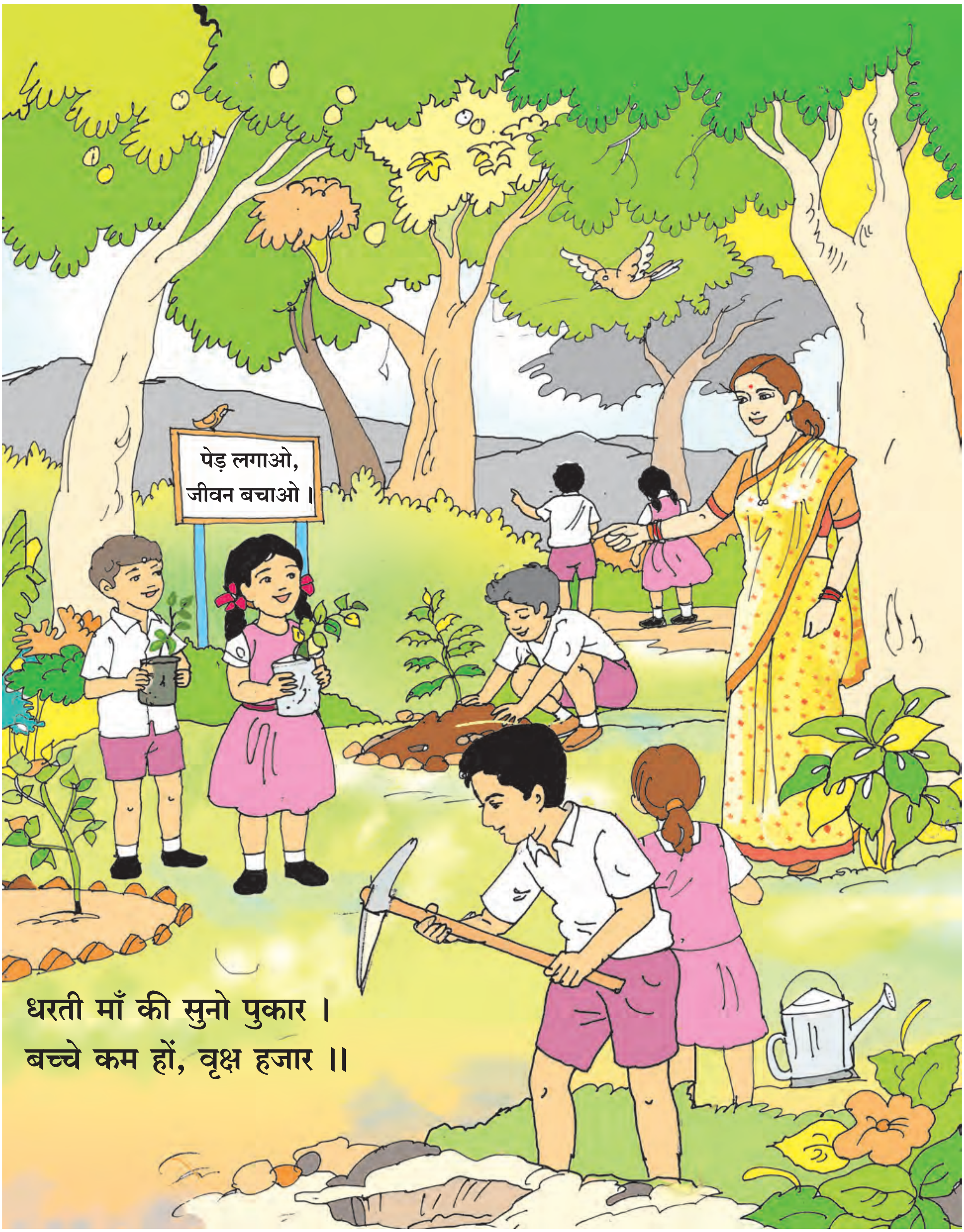

धरती माँ की सुनो पुकार ।
बच्चे कम हों, वृक्ष हजार ।।